



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 54]

नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 6, 2010/माघ 17, 1931

No. 54]

NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 6, 2010/MAGHA 17, 1931

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 फरवरी, 2010

सं. 1/2010-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा.का.नि. 62(अ).—अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व के माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उप-धारा (3) और अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (वस्त्र एवं वस्त्र संबंधी वस्तुएं) अधिनियम, 1978 (1978 का 40) की धारा 3 की उप-धारा (3) के साथ पठित, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उप-धारा (1) के द्वारा, प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार, इस बात से संतुष्ट होते हुए कि ऐसा करना सार्वजनिक हित में आवश्यक है, एतद्वारा, उन माल को जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की प्रथम अनुसूची और दूसरी अनुसूची में विनिर्दिष्ट है, जो एतश्मिन् संलग्न अनुबंध में विनिर्दिष्ट माल से पृथक हैं, और जम्मू व कश्मीर राज्य में अवस्थित किसी ईकाई से जो निकसित हैं, उस पर उक्त किसी भी अधिनियम के अंतर्गत लगाये जा सकने वाले उत्पाद शुल्क या अतिरिक्त उत्पाद शुल्क के उतने भाग से छूट प्रदान करती है जो उक्त माल के विनिर्माण में हुए वर्धित मूल्य पर उक्त ईकाई द्वारा भुगतान किए गए शुल्क के समतुल्य है।

2. मूल्यवर्धन पर भुगतान योग्य शुल्क उस राशि के समतुल्य होगी जो निम्न सारणी (एतश्मिन् पश्चात् 'उक्त सारणी' से संदर्भित) के कॉलम (3) में विनिर्दिष्ट और उक्त प्रथम अनुसूची के अध्याय के अंतर्गत आने वाले उक्त उत्पाद शुल्क योग्य माल के विवरण पर के नियम जब किसी कारखाने में उनका विनिर्माण उक्त सारणी के कॉलम (5) की तत्संबंधी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट उसी कारखाने के आदान से प्रारंभ हुआ हो, भुगतान योग्य कुल शुल्क के उस प्रतिशत के समतुल्य है जो उक्त सारणी के कॉलम (4) की तत्संबंधी प्रविष्टि की दर से निर्धारित किया गया हो।

सारणी

क्र.सं.	प्रथम सूची का अध्याय	माल का विवरण	दर %	कालम (3) में प्रदर्शित माल के विनिर्माण संबंधी आदान का विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	17 या 35	मोडिफाईड स्टार्च या ग्लूकोज	75	मक्का, मक्का-स्टार्च या टेपीयोका स्टार्च
2.	18	कोका बटर या पाउडर	75	कोका बीन्स
3.	25	सीमेंट	75	चूना पत्थर और जिप्सम
4.	25	सीमेंट क्लीकर	75	चूना पत्थर
5.	29	सभी माल	29	कोई भी माल
6.	29 या 38	वसा अम्ल या ग्लिसरीन	75	कच्चे पाम की गिरी, नारियल सरसों या तोरिया तेल
7.	30	सभी माल	56	कोई भी माल
8.	33	सभी माल	56	कोई भी माल
9.	34	सभी माल	38	कोई भी माल
10.	38	सभी माल	34	कोई भी माल
11.	39	सभी माल	26	कोई भी माल
12.	40	टायर्स, ट्यूब्स या फ्लैप्स	41	कोई भी माल
13.	72	लौह धातु, जैसे कि फेरो क्रोम फेरो मैंगनीज या सिलिको मैंगनीज	75	क्रोम अयस्क या मैंगनीज अयस्क
14.	72 या 73	सभी माल	39	कोई भी माल, लौह अयस्क से पृथक
15.	72 या 73	लौह और इस्पात उत्पाद	75	लौह अयस्क
16.	74	सभी माल	15	कोई भी माल
17.	76	सभी माल	36	कोई भी माल
18.	85	इलेक्ट्रिक मोटर और जनरेटर्स, इलेक्ट्रिक जनरेटिंग सेट्स और उसके कल पुर्जे	31	कोई भी माल
19.	कोई भी अध्याय	क्रम सं. 1 से 18 में उल्लिखित माल से पृथक माल	36	कोई भी माल

वर्तते कि जहाँ मूल्य वर्द्धन पर भुगतान योग्य शुल्क उक्त माल पर विनिर्माता द्वारा भुगतान किये गये शुल्क से अधिक हो जाता है, जो उक्त माह के दौरान उपयोग किये गये सेनवेट क्रेडिट से पृथक है, तो मूल्य वर्द्धन पर भुगतान योग्य शुल्क के लिये यह माना जायेगा कि यह सेनवेट क्रेडिट के अलावा इस प्रकार भुगतान किये गये शुल्क के बराबर है।

3. ऐसे मामलों में जहाँ किसी विनिर्माता द्वारा विनिर्मित सभी माल इस अधिसूचना के अंतर्गत छूट पाने की पात्रता रखते हैं, इस अधिसूचना में निहित छूट इस शर्त के अधीन होगी कि विनिर्माता सबसे पहले उस सम्पूर्ण सेनवेट क्रेडिट का उपयोग करें जो उसे विचाराधीन माह के अंतिम दिन, ऐसे माह के दौरान क्लियर किये गये माल पर भुगतान किये गये शुल्क के एवज में, उपलब्ध है और शेष राशि का भुगतान वह नकद रूप में करे।

4. इस अधिसूचना में निहित छूट को निम्न तरीके से लागू किया जायेगा यथा-

(क) विनिर्माता, उक्त सारणी में विनिर्दिष्ट प्रत्येक वर्ग के, और इस अधिसूचना के अंतर्गत क्लियर किये गये माल पर, भुगतान किये गये कुल शुल्क और सेनवेट क्रेडिट के उपयोग के माध्यम से भुगतान किये गये शुल्क का एक विवरण सहायक आयुक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या उपायुक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, जैसी भी स्थिति हो, के पास उस माह जिसमें शुल्क का भुगतान किया गया है, से अगले माह की 7 तारीख तक प्रस्तुत कर दे।

(ख) सहायक आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क या उपायुक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, जैसी भी स्थिति हो, ऐसे सत्यापन के पश्चात जिसे वह जरूरी समझे, मूल्य वर्द्धन पर भुगतान योग्य शुल्क को, जो उपर्युक्त पैराग्राफ 2 में विनिर्दिष्ट तरीके से संगणित हो, विनिर्माता को उस माह से अगले माह की 15 तारीख तक वापस कर सकता है जिसमें उपर्युक्त खंड (क) के अनुसार विवरण प्रस्तुत किया गया है।

5. पैरा 4 में कुछ भी अंतर्विष्ट होने के बावजूद-

(क) उत्पादक अपनी इच्छा से केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क बोर्ड द्वारा जारी सहायक अनुदेशों की उत्पाद शुल्क पुस्तिका के दृष्टिकोण से अपने चालू खाते में पैरा 2 में विनिर्दिष्ट तरीके से परिकल्पित राशि का क्रेडिट ले सकता है। चालू खाते में ऐसी क्रेडिट की गई राशि का उपयोग उत्पादक द्वारा बाद के महीनों में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 2002 के नियम 8 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट तरीके से शुल्क के भुगतान के लिए किया जा सकता है और ऐसा भुगतान नकद भुगतान माना जाएगा;

(ख) उत्पादक द्वारा अपने चालू खाते में प्रतिदाय की राशि का क्रेडिट विचाराधीन महीने के बाद वाले महीने की 7वीं तारीख को लिया जा सकता है;

(ग) खंड (क) के अंतर्गत विकल्प का लाभ लेने के इच्छुक उत्पादक को किसी भी वित्तीय वर्ष में प्रथम निकासी से पूर्व ऐसे विकल्प का लाभ लेने के लिए लिखित में अपना विकल्प देना होगा और ऐसा विकल्प, विकल्प देने की तिथि से प्रभावी होगा और इसे वित्तीय वर्ष के शेष भाग के दौरान वापस नहीं लिया जाएगा;

(घ) उत्पादक जिस महीने इस प्रकार क्रेडिट लिया गया हो उस महीने की 15वीं तारीख तक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के सहायक आयुक्त अथवा उपायुक्त, जैसा मामला हो, को उक्त सारणी में विनिर्दिष्ट और अधिसूचना के अंतर्गत उत्पादित और क्लियर किए गए माल के प्रत्येक संवर्ग पर कुल देय शुल्क तथा सेनवैट क्रेडिट के उपयोग द्वारा अथवा अन्यथा भुगतान किए गए शुल्क तथा खंड (क) के अनुसार लिए गए क्रेडिट का विवरण सौंपेगा;

(ड.) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के सहायक आयुक्त अथवा उपायुक्त, जैसा मामला हो, आवश्यक समझी गई जांच के बाद उत्पाद को लौटाई जाने वाली राशि का सही-सही निर्धारण करेंगे और जिस महीने खंड (घ) के अंतर्गत विवरण जमा किया जाता है, उसके अगले महीने की 15वीं तारीख तक उत्पादक को सूचित करेंगे। यदि उत्पादक द्वारा लिया गया क्रेडिट निर्धारित राशि से ज्यादा हो, तो उत्पादक सूचना प्राप्त होने के बाद पाँच दिनों के अंदर अपने चालू खाते से उक्त अतिरिक्त क्रेडिट को वापस करेगा। यदि उत्पादक द्वारा लिया गया क्रेडिट निर्धारित प्रतिदाय की राशि से कम है, तो उत्पादक शेष राशि का क्रेडिट लेने का पात्र होगा;

(च) यदि उत्पादक खंड (क) से (ड.) के प्रावधानों का अनुपालन नहीं करता है तो खंड (क) से (ग) में किए गए प्रावधान के अनुसार अपने चालू खाते में पैरा 2 में विनिर्दिष्ट तरीके से परिकल्पित राशि का क्रेडिट लेने का उसका विकल्प खत्म हो जाएगा;

(छ) खंड (ड.) के अंतर्गत अनियमित रूप से लिए गए क्रेडिट की राशि अथवा वापसी योग्य सही-सही निर्धारित राशि से अधिक ली गई राशि और उसमें विनिर्दिष्ट अवधि के अंतर्गत उत्पादक द्वारा नहीं लौटाई गई राशि इस रूप में वसूली योग्य होगी जैसे गलती से वापस किए गए उत्पाद शुल्क की वसूली हो। यदि ऐसे अनियमित अथवा अधिक क्रेडिट का उपयोग उत्पाद शुल्केय माल की निकासी पर उत्पाद शुल्क के भुगतान के लिए किया जाता है तो उक्त माल को ऐसे अनियमित क्रेडिट अथवा अधिक क्रेडिट के उपयोग की राशि के बराबर शुल्क का भुगतान किए बिना क्लियर किया गया माना जाएगा।

स्पष्टीकरण:- इस पैरा के लिए चालू खाते में क्रेडिट की गई राशि के उपयोग द्वारा भुगतान किए गए शुल्क को सेनवैट क्रेडिट नियमावली, 2004 के अंतर्गत सेनवैट क्रेडिट के उपयोग को छोड़कर शुल्क का भुगतान माना जाएगा।

6.(1) पैरा 2 में कुछ भी अंतर्विष्ट होने के बावजूद उत्पादक को उक्त सारणी में विनिर्दिष्ट दरों का लाभ नहीं लेने तथा इस अधिसूचना के अंतर्गत उत्पादित और क्लियर किए गए

किसी माल के संबंध में वास्तविक मूल्य योग के संबंध में विशेष दर के निर्धारण के लिए उत्पादक की उत्पादक यूनिट के क्षेत्राधिकार वाले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त अथवा सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, जैसा मामला हो, के पास आवेदन करने का विकल्प होगा यदि उत्पादक को लगता है कि उक्त माल के उत्पादन अथवा विनिर्माण में वास्तविक मूल्य योग उक्त सारणी में विनिर्दिष्ट दर का कम से कम 115 प्रतिशत है और इसके लिए उत्पादक जिस अंश में सामग्री अथवा संघटकों का उपयोग माल के उत्पादन अथवा विनिर्माण में किया जाता है उसका उल्लेख करते हुए सभी संबंधित तथ्यों का उल्लेख करते हुए ऐसी विशेष दर का निर्धारण करने के लिए किसी वित्त वर्ष में सितम्बर के 30वें दिन तक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त अथवा सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, जैसा मामला हो, के पास लिखित में आवेदन करेगा।

प्रावधान किया गया कि केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त अथवा सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, जैसा मामला हो, इस बात से संतुष्ट होने पर कि उत्पादक को उपर्युक्त समय सीमा के अंदर आवेदन से पर्याप्त कारण से रोका गया, ऐसे उत्पादक को और तीस दिनों की अवधि के अंदर आवेदन करने की अनुमति प्रदान कर सकते हैं।

यह भी प्रावधान किया गया कि उत्पादक के विशेष दर के दावे के साथ पिछले वित्त वर्ष के लिए यूनिट के लेखा परीक्षित तुलन पत्र के आधार पर जिन माल के लिए दावा किया जाता है उनके मामले में मूल्य योग के परिकलन सहित सांविधिक लेखा परीक्षक का प्रमाण पत्र संलग्न हो।

(2) उप पैरा (1) में अंतर्विष्ट कुछ भी सारणी के क्रम संख्या 1,2,3,4,6,13 अथवा 15 के अंतर्गत आने वाले माल का विनिर्माण करने वाली यूनिट पर लागू नहीं होगा।

(3) उप पैरा (1) में उल्लिखित आवेदन प्राप्त होने पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त अथवा सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, जैसा मामला हो, उपर्युक्त समझी गई जांच करने अथवा करवाने के बाद ऐसे आवेदन के मिलने के बाद तीन महीनों की अवधि के अंतर्गत विशेष दर निर्धारित करेंगे ;

(4) जहां उत्पादक विशेष दर निर्धारित होने तक अस्थायी रूप से प्रतिदाय प्रदान किए जाने की इच्छा करता है, वहां उत्पादक आवेदन देते समय उक्त सारण के कॉलम (2) में दी गई प्रविष्टि के अनुसार केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की प्रथम अनुसूची के अध्याय में आने वाले उक्त सारणी के कॉलम (3) में विनिर्दिष्ट विवरण वाले माल के लिए उक्त सारणी के कॉलम (4) में विनिर्दिष्ट दर पर अस्थायी प्रतिदाय प्रदान करने के संबंध में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त अथवा सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, जैसा मामला हो, के पास आवेदन कर सकता है और विशेष दर को अंतिम रूप दिए जाने पर ऐसी विशेष दर के निर्धारण के बाद वाले महीने में उत्पादक को अनुमत्य बाद के प्रतिदाय में आवश्यक समायोजन किया जाना चाहिए।

(5) जहां केन्द्र सरकार ऐसा करना जरूरी समझती हो वहां वह

(क) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त अथवा सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, जैसा मामला हो, द्वारा उप पैरा (3) के अंतर्गत यथा निर्धारित प्रतिदाय की विशेष दर अथवा राशि रद्द कर सकती है अथवा

(ख) यथा मामला, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त या सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त को इस प्रकार निर्धारित दर को वापिस करने का निदेश दे सकती है।

स्पष्टीकरण:- इस पैराग्राफ के उद्देश्य से उक्त माल के संदर्भ में वास्तविक मूल्य वर्धन की गणना निम्नलिखित को ध्यान में रखते हुए पिछले वित्तीय वर्ष के वित्तीय अभिलेखों के आधार पर की जाएगी:

(i) उस माल पर प्रदत्त उत्पाद शुल्क, मूल्य वर्धित कर एवं अन्य अप्रत्यक्ष कर यदि कोई हों, को छोड़कर उक्त माल का विक्रय मूल्य;

(ii) घटाएं: उक्त माल में प्रयुक्त कच्चे माल एवं पैकेजिंग सामग्री की लागत;

(iii) घटाएं: प्रयुक्त ईंधन की लागत, यदि सेनवेट क्रेडिट नियमावली, 2004 के तहत निविष्टि क्रेडिट के लिए पात्र हो;

(iv) जोड़े: वित्तीय वर्ष के अंत में इकाई में माल सूची के रूप में उपलब्ध किन्तु जिसकी निकासी नहीं हुई है उक्त माल का मूल्य;

(v) घटाएं: विचाराधीन से पिछले वित्तीय वर्ष के अंत में इकाई में माल सूची के रूप में उपलब्ध किन्तु जिसकी निकासी नहीं हुई हो जिससे पूर्व वह विचाराधीन या उक्त माल का मूल्य;

विशेष दर, उक्त माल के उत्पादन या विनिर्माण में वास्तविक मूल्यवर्धन और उस माल पर प्रदत्त किसी उत्पाद शुल्क, मूल्य वर्धित कर एवं अन्य अप्रत्यक्ष करों को छोड़कर विक्रय मूल्य का अनुपात होगा।

(6) विनिर्माता, इस अधिसूचना के अंतर्गत विनिर्मित और निकासित उत्पाद शुल्क योग्य माल की सभी निकासी के संदर्भ में उप पैराग्राफ (3) के अंतर्गत निर्धारित विशेष दर से उस वर्ष के अप्रैल के पहले दिन से प्रति अदायगी का पात्र होगा, जिसमें उसने उप पैराग्राफ (1) में संदर्भित आवेदन पत्र यथा मामला केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त अथवा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क को प्रस्तुत किया था, जैसा भी मामला हो।

(7) फरवरी, 2010 की 6ठी तारीख को अथवा इसके बाद वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करने वाला उत्पादक ऐसे वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करने की तिथि से इस अधिसूचना के अंतर्गत विनिर्मित और निकसित किए गए उत्पाद शुल्केय माल की सभी निकासियों के संबंध में अपने प्रथम आवेदन के प्रति उप पैरा (3) के अंतर्गत निर्धारित विशेष दर पर प्रतिदाय का पात्र होगा और वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करने की तिथि से विशेष दर निर्धारित करने की तिथि तक ऐसी विशेष दर पर देय प्रतिदाय एवं उसे भुगतान किए गए वास्तविक प्रतिदाय के बीच का अंतर उसे वापस किया जाएगा।

(8) जहां उप-पैराग्राफ (3) के अंतर्गत विशेष दर निर्धारित की जाती है, किसी माह में संदेय प्रतिदाय उस धनराशि के बराबर होगी, जो इस प्रकार निर्धारित दर पर ऐसे उत्पाद शुल्क योग्य माल पर कुल संदेय शुल्क के प्रतिशत के रूप में परिकल्पित किया गया है;

शर्त यह है कि प्रतिदाय, ऐसे माल पर, सेनवेट क्रेडिट के उपयोग से इतर, प्रदत्त शुल्क से अधिक नहीं होगा।

7.(1) यदि किसी मामले में, किसी वित्तीय वर्ष के दौरान किसी इकाई से निकास किए गए माल के संबंध में किसी विनिर्माता को प्रदत्त या संदेय प्रतिदाय की कुल धनराशि, उक्त माल पर उसके द्वारा प्रदत्त कुल प्रदत्त शुल्क से कम है, जो कि सेनवेट क्रेडिट का उपयोग करके प्रदत्त धनराशि के अतिरिक्त है, तो अंतर धनराशि, यदि कोई हो, उसे इस शर्त के अधीन वापस की जाएगी कि उस वर्ष के दौरान उसे किया गया कुल प्रतिदाय, उपर्युक्त अंतर धनराशि सहित, चाहे सारणी में विनिर्दिष्ट दर से या पैराग्राफ 6 में निर्धारित विशेष दर के अंतर्गत मूल्य संवर्धन पर संदेय कुल शुल्क से अधिक नहीं होता है।

(2) केंद्रीय उत्पादशुल्क सहायक आयुक्त अथवा केंद्रीय उत्पाद शुल्क उपायुक्त, यथा मामला, विनिर्माता को अंतर धनराशि, यदि कोई हो, का प्रतिदाय ऐसी तारीख को करेगा, जो परवर्ती वित्तीय वर्ष की 15 मई से बाद न हो।

8. इस अधिसूचना में निहित छूट केवल निम्नलिखित प्रकार की इकाइयों पर लागू होगी, नामशः-

(क) नई औद्योगिक इकाइयां जिन्होंने वाणिज्यिक उत्पादन फरवरी, 2010 की 6ठी तारीख को या उसके बाद किया हो

(ख) ऐसी औद्योगिक इकाइयां जो फरवरी, 2010 की 6ठी तारीख को अस्तित्व में थीं, लेकिन जिन्होंने,

(i) क्षमता के विस्तार या आधुनिकीकरण और विविधीकरण के उद्देश्य से संयंत्र और मशीनरी में नियत पूंजी निवेश के मूल्य में 25 प्रतिशत से कम विस्तार न किया हो और ऐसी विस्तारित क्षमता से फरवरी, 2010 की 6ठी तारीख को या उसके बाद वाणिज्यिक उत्पादन का प्रारंभ किया हो

(ii) फरवरी, 2010 की 6ठी तारीख को या उसके बाद नया निवेश किया हो, और ऐसे नए निवेश के कारण निम्नलिखित शर्तों के अधीन आधारभूत नियोजन क्षमता के 25 प्रतिशत से कम का अतिरिक्त नियमित नियोजन का सृजन न हुआ हो, -

(1) छूट का दावा करने के बाद, वह इकाई नियमित नियोजन में कमी नहीं करेगी, और एक बार ऐसा नियोजन आधारभूत नियोजन के एक सौ पचीस प्रतिशत से कम कर दिया गया, तो ऐसी औद्योगिक इकाई को भविष्य में इस अधिसूचना में निहित छूट का दावा करने से वंचित कर दिया जाएगा।

बशर्ते, ऐसी औद्योगिक इकाइयों द्वारा ऐसी कमी से पूर्व ली गयी छूट ऐसी औद्योगिक इकाइयों से वसूली योग्य नहीं होगी।

(2) विनिर्माता, संबंधित जिला उद्योग केंद्र के महा प्रबंधक से इस आशय का प्रमाणपत्र प्राप्त करके कि इकाई ने ऐसे अतिरिक्त नियमित रोजगार का सृजन किया है, क्षेत्राधिकारी केंद्रीय उत्पादशुल्क सहायक आयुक्त या केंद्रीय उत्पाद शुल्क उपायुक्त यथा मामला, को प्रस्तुत करेगा।

स्पष्टीकरण: इस अधिसूचना के उद्देश्य से,-

(क) "आधारभूत नियोजन की सीमा" का अर्थ संबंधित औद्योगिक इकाई द्वारा पिछले पांच वर्षों के दौरान किसी भी समय नियोजित नियमित कर्मचारियों की अधिकतम संख्या है;

(ख) "नए निवेश" में ऐसे निवेश शामिल नहीं होंगे, जिसका प्रयोग पुराने कर्ज चुकाने या 14 जून, 2002 से पूर्व स्थापित संयंत्र या मशीनरी का भुगतान करने, या कर्मचारियों को वेतन का भुगतान करने के लिए किया गया है।

(ग) "नियमित नियोजन" में उस औद्योगिक इकाई द्वारा दिहाड़ी मजदूरों या अनियत कर्मचारियों को दिया गया नियोजन शामिल नहीं होगा;

9. इस अधिसूचना में निहित छूट, उक्त किसी भी इकाई पर ऐसे समय तक लागू होगी जिसकी अवधि इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख अथवा वाणिज्यिक उत्पादन की तारीख से, जो भी बाद में हो, दस साल से अधिक नहीं होगी।

10. इस अधिसूचना में निहित छूट ऐसे माल पर लागू नहीं होगी, जिनका निम्नलिखित में से कोई एक या एकाधिक प्रसंस्करण किया गया है, नामशः भंडारण के दौरान परिरक्षण, सफाई के प्रकार्य, ऐसे माल का किसी इकाई कंटेनर में पैकिंग या रिपैकिंग अथवा कंटेनरों की लेबेलिंग या रि-लेबेलिंग, छटाई, खुदरा बिक्री मूल्य की घोषणा या परिवर्तन तथा ऐसा या ऐसे प्रसंस्करण, जोकि जम्मू एवं कश्मीर राज्य में विनिर्माण किए जाने के बराबर हो।

अनुबंध

1. सिगरेट/तम्बाकू के सिगार;
2. तम्बाकू या उसके प्रतिस्थानी का विनिर्माण;
3. साफ्ट ड्रिक्स एवं उनके कंसट्रेट्स।

[फा. सं. 354/226/2009-टीआरयू]

प्रशांत कुमार, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th February, 2010

No. 1/2010-Central Excise

G.S.R. 62(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957) and sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Textiles and Textile Articles) Act, 1978 (40 of 1978), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts the goods specified in the First Schedule and the Second Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), other than goods specified in Annexure appended hereto, and cleared from a unit located in the state of Jammu and Kashmir, from so much of the duty of excise or additional duty of excise, as the case may be, leviable thereon under any of the said Acts as is equivalent to the duty payable on value addition undertaken in the manufacture of the said goods by the said unit.

2. The duty payable on value addition shall be equivalent to the amount calculated as a percentage of the total duty payable on the said excisable goods of the description specified in column (3) of the Table below (hereinafter referred to as the said Table) and falling within the Chapter of the said First Schedule as are given in the corresponding entry in column (2) of the said Table, when manufactured in a factory starting from inputs specified in the corresponding entry in column (5) of the said Table in the same factory, at the rates specified in the corresponding entry in column (4) of the said Table:

TABLE

Serial No.	Chapter of the First Schedule	Description of goods	Rate (%)	Description of inputs for manufacture of goods in column (3)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	17 or 35	Modified starch or glucose	75	Maize, maize starch or tapioca starch
2.	18	Cocoa butter or powder	75	Cocoa beans
3.	25	Cement	75	Lime stone and gypsum

4.	25	Cement clinker	75	Lime stone
5.	29	All goods	29	Any goods
6.	29 or 38	Fatty acids or glycerine	75	Crude palm kernel, coconut, mustard or rapeseed oil
7.	30	All goods	56	Any goods
8.	33	All goods	56	Any goods
9.	34	All goods	38	Any goods
10.	38	All goods	34	Any goods
11.	39	All goods	26	Any goods
12.	40	Tyres, tubes and flaps	41	Any goods
13.	72	Ferro alloys, namely, ferro chrome, ferro manganese or silico manganese	75	Chrome ore or manganese ore
14.	72 or 73	All goods	39	Any goods, other than iron ore
15.	72 or 73	Iron and steel products	75	Iron ore
16.	74	All goods	15	Any goods
17.	76	All goods	36	Any goods
18.	85	Electric motors and generators, electric generating sets and parts thereof	31	Any goods
19.	Any chapter	Goods other than those mentioned above in S.Nos.1 to 18	36	Any goods

Provided that where the duty payable on value addition exceeds the duty paid by the manufacturer on the said goods, other than the amount paid by utilization of CENVAT credit during the month, the duty payable on value addition, shall be deemed to be equal to the duty so paid other than by CENVAT credit.

3. In cases where all the goods produced by a manufacturer are eligible for exemption under this notification, the exemption contained in this notification shall be subject to the condition that the manufacturer first utilizes whole of the CENVAT credit available to him on the last day of the month under consideration for payment of duty on goods cleared during such month and pays only the balance amount in cash.

4. The exemption contained in this notification shall be given effect to in the following manner, namely:-

(a) the manufacturer shall submit a statement of the total duty paid and that paid by utilization of CENVAT credit, on each category of goods specified in the said Table and cleared under this notification, to the Assistant Commissioner of Central Excise or Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, by the 7th day of the next month in which the duty has been paid;

(b) the Assistant Commissioner of Central Excise or the Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, after such verification as may be deemed necessary, shall refund the duty payable on value addition, computed in the manner as specified in paragraph 2 to the manufacturer by the 15th day of the month following the one in which the statement as at clause (a) has been submitted.

5. Notwithstanding anything contained in paragraph 4,-

(a) the manufacturer at his own option, may take credit of the amount calculated in the manner specified in paragraph 2 in his account current, maintained in terms of the Excise Manual of Supplementary Instructions issued by the Central Board of Excise and Customs. Such amount credited in the account current may be utilized by the manufacturer for payment of duty, in the manner specified under rule 8 of the Central Excise Rules, 2002, in subsequent months, and such payment shall be deemed to be payment in cash;

(b) the credit of the refund amount may be taken by the manufacturer in his account current, by the 7th day of the month following the month under consideration;

(c) a manufacturer who intends to avail the option under clause (a) shall exercise his option in writing for availing such option before effecting the first clearance in any financial year and such option shall be effective from the date of exercise of the option and shall not be withdrawn during the remaining part of the financial year;

(d) the manufacturer shall submit a statement of the total duty payable as well as the duty paid by utilization of CENVAT credit or otherwise and the credit taken as per clause (a), on each category of goods manufactured and cleared under the notification and specified in the said Table, to the Assistant Commissioner of Central Excise or Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, by the 15th day of the month in which the credit has been so taken;

(e) the Assistant Commissioner of Central Excise or the Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, after such verification, as may be deemed necessary, shall determine the amount correctly refundable to the manufacturer and intimate to the manufacturer by the 15th day of the next month to the month in which the statement under clause (d) has been submitted. In case the credit taken by the manufacturer is in excess of the amount determined, the manufacturer shall, within five days from the receipt of the intimation, reverse the said excess credit from the account current maintained by him. In case, the credit taken by the manufacturer is less than the amount of refund determined, the manufacturer shall be eligible to take credit of the balance amount;

(f) in case the manufacturer fails to comply with the provisions of clauses (a) to (e), he shall forfeit the option, to take credit of the amount calculated in the manner specified in paragraph 2 in his account current on his own, as provided for in clauses (a) to (c);

(g) the amount of the credit availed irregularly or availed of in excess of the amount determined correctly refundable under clause (e) and not reversed by the manufacturer within the period specified therein, shall be recoverable as if it is a recovery of duty of excise erroneously refunded. In case such irregular or excess credit is utilised for payment of excise duty on clearances of excisable goods, the said goods shall be considered to have been cleared without payment of duty to the extent of utilisation of such irregular or excess credit.

Explanation.—For the purposes of this paragraph, duty paid by utilisation of the amount credited in the account current, shall be taken as payment of duty by way other than utilisation of CENVAT credit under the CENVAT Credit Rules, 2004.

6. (1) Notwithstanding anything contained in paragraph 2, the manufacturer shall have the option not to avail the rates specified in the said Table and apply to the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, having jurisdiction over the manufacturing unit of the manufacturer for fixation of a special rate representing the actual value addition in respect of any goods manufactured and cleared under this notification, if the manufacturer finds that the actual value addition in the production or manufacture of the said goods is at least 115 per cent of the rate specified in the said Table and for the said purpose, the manufacturer may make an application in writing to the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, not later than the 30th day of September in a financial year for determination of such special rate, stating all relevant facts including the proportion in which the material or components are used in the production or manufacture of goods:

Provided that the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, may, if he is satisfied that the manufacturer was prevented by sufficient cause from making the application within the aforesaid time, allow such manufacturer to make the application within a further period of thirty days:

Provided further that the manufacturer supports his claim for a special rate with a certificate from his statutory Auditor containing a calculation of value addition in the case of goods for which a claim is made, based on the audited balance sheet of the unit for the preceding financial year.

(2) Nothing contained in sub- para (1) shall apply to a unit manufacturing goods falling under serial numbers 1, 2, 3,4, 6, 13 or 15 of the Table.

(3) On receipt of the application referred to in sub-paragraph (1), the Commissioner of Central Excise or Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, after making or causing to be made such inquiry as he deems fit, shall fix the special rate within a period of three months of such application;

(4) Where the manufacturer desires that he may be granted refund provisionally till the time the special rate is fixed, he may, while making the application, apply to the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, in writing for grant of provisional refund at the rate specified in column (4) of the said Table for the goods of description specified in column (3) of the said Table and falling in Chapter of the First Schedule of the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) as in corresponding entry in column (2) of the said Table, and on finalization of the special rate, necessary adjustments be made in the subsequent refunds admissible to the manufacturer in the month following the fixation of such special rate.

(5) Where the Central Government considers it necessary so to do, it may-

(a) revoke the special rate or amount of refund as determined under sub-paragraph (3) by the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, or

(b) direct the Commissioner of Central Excise or the Commissioner of Customs and Central Excise, as the case may be, to withdraw the rate so fixed.

Explanation .- For the purpose of this paragraph the actual value addition in respect of said goods shall be calculated on the basis of the financial records of the preceding financial year, taking into account the following, namely:-

(i) sale value of the said goods excluding excise duty, Value Added Tax and other indirect taxes, if any, paid on the goods;

(ii) Less: Cost of raw materials and packing material consumed in the said goods;

(iii) Less: Cost of fuel consumed if eligible for input credit under CENVAT Credit Rules, 2004;

(iv) Plus: Value of said goods available as inventory in the unit but not cleared, at the end of the financial year;

(v) Less: Value of said goods available as inventory in the unit but not cleared, at the end of the financial year preceding that under consideration.

Special rate shall be the ratio of actual value addition in the production or manufacture of the said goods to the sale value of the said goods excluding excise duty, Value Added Tax and other indirect taxes, if any, paid on the goods.

(6) The manufacturer shall be entitled to refund at the special rate fixed under sub-paragraph (3) in respect of all clearances of excisable goods manufactured and cleared under this notification with effect from the 1st day of April of the year in which the application referred to at sub-paragraph (1) was filed with the Commissioner of Central Excise or Commissioner of Central Excise and Customs, as the case may be.

(7) A manufacturer who commences commercial production on or after the 6th day of February, 2010, shall be entitled to refund at the special rate fixed under sub-paragraph (3) against his first application in respect of all clearances of excisable goods manufactured and cleared under this notification with effect from the date of commencement of such commercial production and the difference between the refund payable at such special rate and the actual refund paid to him from the date of commencement of commercial production till the date of fixation of special rate, shall be refunded to him.

(8) Where a special rate is fixed under sub-paragraph (3), the refund payable in a month shall be equivalent to the amount calculated as a percentage of the total duty payable on such excisable goods, at the rate so fixed.

Provided that the refund shall not exceed the amount of duty paid on such goods, other than by utilization of CENVAT credit.

7 (1) In case the total amount of refund paid or payable to a manufacturer in respect of goods cleared from a unit during a financial year is less than the total duty paid by him on the said goods, other than the amount paid by utilization of CENVAT credit, for the year, the differential amount, if any, shall be refunded to him subject to the condition that the total refund made to him during the year, including the aforesaid differential amount, does not exceed the total duty payable on value addition whether at the rate specified in the Table or at the special rate fixed under paragraph 6.

(2) The Assistant Commissioner of Central Excise or the Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, shall refund the differential amount, if any, to the manufacturer not later than the 15th day of May in the subsequent financial year.

8 The exemption contained in this notification shall apply only to the following kind of units, namely:-

(a) New Industrial units which commence commercial production on or after the 6th day of February, 2010;

(b) Industrial units existing before the 6th day of February, 2010; but which have,-

(i) undertaken substantial expansion by way of increase by not less than 25% in the value of fixed capital investment in plant and machinery for the purposes of expansion of capacity or modernization and diversification and have commenced commercial production from such expanded capacity on or after the 6th day of February, 2010 or

(ii) made new investments on or after the 6th day of February, 2010, and such new investment is directly attributable to the generation of additional regular employment of not less than twenty-five per cent over and above the base employment limit, subject to the conditions that,-

(1) the unit shall not reduce regular employment after claiming exemption, and once such employment is reduced below one hundred and twenty-five per cent. of the base employment limit, such industrial unit shall be debarred from claiming the exemption contained in this notification in future:

Provided that, the exemption availed by such industrial unit, prior to such reduction, shall not be recoverable from such industrial unit.

(2) the manufacturer shall produce a certificate, from General Manager of the concerned District Industries Centre to the jurisdictional Assistant Commissioner of Central Excise or the Deputy Commissioner of Central Excise, as the case may be, to the effect that the unit has created such additional regular employment.

Explanation .- for the purposes of this notification,-

(a) "base employment limit" means maximum number of regular employees employed at any point of time, by the concerned industrial unit, during last five years;

(b) "new investment" shall not include investments which are used for paying off old debts or making payments for the plant or machinery installed prior to the 6th day of February 2010, or paying salaries to the employees;

(c) "regular employment" shall not include employment provided by the industrial unit to daily wagers or casual employees.

9. The exemption contained in this notification shall apply to any of the said units for a period not exceeding ten years from the date of publication of this notification or from the date of commercial production whichever is later.

10. The exemption contained in this notification shall not apply to such goods which have been subjected to only one or more of the following processes, namely, preservation during storage, cleaning operations, packing or repacking of such goods in a unit container or labelling or re-labelling of containers, sorting, declaration or alteration of retail sale price and have not been subjected to any other process or processes amounting to manufacturer, in the State of Jammu and Kashmir.

ANNEXURE

1. Cigarettes or cigars of tobacco;
2. Manufactured tobacco and substitutes thereof;
3. Soft drinks and their concentrates.

[F. No. 354/226/2009-TRU]

PRASHANT KUMAR, Under Secy.